

प्रेषक,

पी० के० महान्ति,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निबन्धक,
सहकारी समितियां,
उत्तराखण्ड, अल्मोडा।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग-1 देहरादून दिनांक 15 फरवरी, 2008
विषय:- चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में समस्त लघु एवं सीमान्त कृषक सदस्यों हेतु
वैयक्तिक दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 5471/नियो०/ना०कू०क०/2007-08 दिनांक 25.01.2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में लघु एवं सीमान्त कृषक सदस्यों हेतु नारायण कृषक कवच वैयक्तिक दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत रु० 42.75 लाख (रु० ब्यालिस लाख पियहत्तर हजार) एवं संलग्न पुनर्विनियोग रु० 4.75 लाख रु० (रु० चार लाख पियहत्तर हजार) कुल रु० 47.50 लाख (सैतालिस लाख पचास हजार रु०) आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. उक्त धनराशि का उपयोग प्रश्नगत योजना के सम्बन्ध में उत्तराखण्ड सरकार एवं I.C.I.C.I. Lombard General insurance company Limited I.C.I.C.I. Towers Bandra Kurla complex Andheri (East) Mumbai के मध्य हुये एम०ओ०यू० के अनुसार किया जायेगा।

2. इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अपर निबन्धक लोम्बार्ड के साथ प्रश्नगत योजना की त्रैमासिक समीक्षा कर योजना की त्रैमासिक वित्तीय एवं भौतिक प्रगति से शासन को अनिवार्य रूप से अवगत करायेगे। जनपदों में जिला सहायक निबन्धक नोडल अधिकारी होंगे।

3. उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि गत वित्तीय वर्ष 2006-07 में इस मद में पूर्व में स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराने के उपरान्त ही इस धनराशि का आहरण एवं व्यय किया जायेगा।

4. निबन्धक, सहकारी समितियां उत्तराखण्ड स्वीकृत धनराशि के आहरण की सूचना महालेखाकार (लेखा) कार्यालय उत्तराखण्ड को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम बाउचर संख्या, लेखाशीर्षक तथा आहरण की तिथि सहित सूचित करेंगे।

5. इस शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभाग में वित्त नियंत्रक /मुख्य लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे, यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार का विचलन हो तो सम्बन्धित वित्त नियंत्रक आदि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दे दी जाय।

6. उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि उक्त धनराशि केवल चालू एवं पूर्व अनुमोदित मद पर ही व्यय की जाय, तथा किसी ऐसे कार्य/मद पर धनराशि व्यय न की जाय, जो योजना में स्वीकृत नहीं है।
7. स्वीकृत धनराशि का उपयोग निश्चित रूप से उन्ही मदों पर किया जाय, जिसके लिये स्वीकृति दी जा रही है, यदि उसका उपयोग अन्यत्र अथवा किसी अन्य मद में किया जाता है तो सम्बन्धित अधिकारी इसके लिये व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे तथा उनसे अप्राधिकृत व्यय की वसूली की जायेगी।
8. उक्त स्वीकृत धनराशि का योजनावार व्यय विवरण प्रत्येक माह या उसके अगले माह की 5 तारीख तक बी0एम0-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग, शासन तथा महालेखाकार को भिजवाना सुनिश्चित करें।
9. उक्त व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्य/मद पर व्यय न की जाय, जिसके लिये वित्तीय हस्त पुरितका तथा बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन/सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित है, वित्तीय हस्त पुरितका में उल्लिखित सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जाय।
10. उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-18 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2425-सहकारिता-आयोजनागत-00-800-अन्य व्यय-12-नारायण कृषक कवच लघु सीमान्त सदस्यो हेतु वैयक्तिक दुर्घटना बीमा-00-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या 485 (P)/XXVII/2007, दिनांक 11.02.2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(पी0 के0 महान्ति)
सचिव।

संख्या:-139(1)/XIV-1/2006, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी उत्तराखण्ड माजरा देहरादून।
2. अपर निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल राज्य सहकारी बैंक लि0, उत्तराखण्ड।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी अल्मोडा, उत्तराखण्ड।
6. समस्त जिला सहायक निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
7. समस्त सचिव/महाप्रबन्धक जिला सहकारी बैंक लि0 उत्तराखण्ड।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड।
9. वित्त/नियोजन विभाग उत्तराखण्ड शासन।
10. गार्डफाईल।

आज्ञा से,

(डा0पी0एस0गुसांई)
अपर सचिव।

आय व्ययक प्रपत्र-बी.एम.-15 पुनर्विनियोग 2007-08
(धर-158)

अनुदान संख्या-18 आयोजनागत

(धनराशि हजार रुपये में)

शासनादेश संख्या 1.29 /XIV-1/2008 दिनांक 15 फरवरी 2008 विभाग-सहकारिता विभाग.

वजट प्राधिकार तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अलावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरदस्ती) धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद रसम-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद अवशेष धनराशि (रसम-4 में)	अन्यवित्त
1	2	3	4	5	6	7	8
2425- सहकारिता-आयोजनागत 00- 800- अन्य व्यय 04- एकीकृत सहकारी विकास परियोजना हेतु अनुदान (राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा पोषित) 00- 20- सहायक अनुदान / अश्रदान / राजसहायता 68700	-	68225	475	2425- सहकारिता-आयोजनागत 00- 800- अन्य व्यय 12- नारायण कृष्ण कलन लघु एवं सीमान्त सदस्यो हेतु वैयक्तिक दुर्घटना बीमा 00- 20- सहायक अनुदान / अश्रदान / राजसहायता 475	4750	-	वित्तीय वर्ष 2007-08 में "नारायण कृष्ण कलन" समस्त लघु एवं सीमान्त कृषक सदस्यो हेतु वैयक्तिक दुर्घटना बीमा योजना के लागू किये जाने हेतु मु0 4.75 लाख रुपये की आतिरिक्त वजट व्यवस्था हेतु पुनर्विनियोग ।
		68225	475		4750	-	

4750

-

योग प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से वजट मिलावट के परिच्छेद 150, 151, 155, 156, में उल्लिखित प्राधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है।

(डा0पी0एस0गुसाईं)
अपर सचिव।

सेवा में,

महालेखाकार(लेखा)

उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।

संख्या:- 1290/XIV-1/2008 दिनांक 15 जनवरी 2008

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें उत्तराखण्ड 23-लक्ष्मीरोड देहरादून।
2. निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोडा।
4. वित्त अनुभाग-4 /नियोजन विभाग उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
6. गार्ड फ़ाइल हेतु।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-4

संख्या-1290/XIV-1/2008

देहरादून दिनांक 15 फरवरी, 2008

पुनर्विनियोग स्वीकृत



(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव, वित्त

आज्ञा से,



(डा0पी0एस0गुसाई)
अपर सचिव।